जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्

संस्कृत विदुषी सम्मेलन रजत जयन्ती वर्ष
(1999-2024) के उपलक्ष्य में

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत भारती एवं सत्यवती महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन

दिनांक- 15,16,17 नवंबर 2024

सम्मान्य विदुषीगण ,

सादर प्रणाम।

अत्यन्त प्रमोद एवं गौरव का विषय है कि संस्कृत विदुषी सम्मेलन आप सभी विदुषियों के सहयोग से रजत जयन्ती वर्ष के गौरवमय सोपान पर प्रतिष्ठित हो सका है। प्रथमशः यह सम्मेलन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के सौजन्य से समुद्घोषित संस्कृत वर्ष में दिल्ली में समायोजित किया गया जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों की विदुषियों ने प्रतिभागिता की।तदनन्तर अद्यावधि दिल्ली संस्कृत अकादमी ,श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रतिष्ठित महाविद्यालयों ,संस्कृत भारती, संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान आदि संस्धाओं के संयुक्त तत्वावधान में अनेकशः विदुषी सम्मेलन आयोजित किये गये हैं।

हमारे लिये गर्व का विषय है कि रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत भारती एवं सत्यवती महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का आयोजन दिल्ली में किया जा रहा है।

सम्मेलन के विशिष्ट उद्देश्य हैं -

क. संस्कृत का प्रचार प्रसार एवं संरक्षण।
ख.संस्कृति के संरक्षण में विदुषियों का दायित्व एवं प्रतिभागिता।
ग.संस्कृत विदुषियों के आध्यात्मिक, शैक्षिक, प्रबन्धनादि क्षेत्रों में अवदान से परिचय।
घ. विदुषियों द्वारा विहित संस्कृत में निहित ज्ञान विज्ञान से सम्बद्ध शोध कार्यों का परिचय।
ङ संस्कृत विदुषियों में राष्ट्र भावना के प्रति जागरूकता।
विशेषतः संतति,परिवार, समाज,राष्ट्र एवं विश्व के अभ्युत्थान के लिये संस्कृत विदुषियाँ जागृत हों यही सम्मेलन का विशिष्टोद्देश्य है।

सम्मेलन का विषय

संस्कृतसंस्कृति संवाहिका - नारी
विकसित भारतनिर्मात्री -नारी

उपविषयाः –

- वेदेषु वर्णितनैतिकता सन्दर्भे नारीसशक्तीकरणम्
- वैदिकवाङ्मये प्रतिपादिता नारीशक्तिः
- वामभागस्तु नारीणां देवभाग इति स्मृतः
- वैदिकयुगे राष्ट्रनिर्माणे नारीणां सहभागित्वम्
- वैदिकसंस्कृतिसंरक्षणेन राष्ट्रनिर्माणे नारीणां भूमिका
- शास्त्रीयदृष्ट्या नारीणां भूमिका-वेदेषु, उपनिषत्सु, पुराणेषु,रामायणे,महाभारते, स्मृतिशास्त्रे, दर्शनशास्त्रे ,काव्येषु ,ज्योतिष्शास्त्रे ,वास्तु शास्त्रे च
- संस्कृतिसांकर्यसमाधाने संस्कृतविदूषीणामवदानम्
- युवावर्गे संस्काराधाने महिलानां वैशिष्ट्यम्
- सामाजिकक्षेत्रे महिलानां योगदानम् यथा- लोकप्रबन्धनम्,संयुक्तपरिवारसंरक्षणम्, विश्वबन्धुत्वसंवर्धनञ्च
- शास्त्रेषु राजनीतिक्षेत्रे महिलानां भूमिका
- नीतिशास्त्रप्रचारेण राष्ट्रनिर्माणे महिलानां सहभागित्वम्
- पर्यावरणसंरक्षणाय शास्त्रेषु महिलानां दायित्वनिरूपणम्
- यज्ञपरम्परासंरक्षणे नारीणामुत्तरदायित्वम्
- प्रबन्धनक्षेत्रे नारीणां योगदानेन राष्ट्रस्य विकासः
- शिक्षाक्षेत्रे महिलानां योगदानम्
- रामायणे नारीणां राष्ट्रनिर्माणे सहभागित्वम्
- महाभारतकाले नारीणां सांस्कृतिकावदानम्
- पुराणेषु नारीणामाध्यात्मिकं योगदानम्
- रामायणे, महाभारते, पुराणेषु वा नारीणां सांस्कृतिकं योगदानम्
- कन्यागुरुकुलेषु विविधविद्याप्रशिक्षणेन राष्ट्रचेतनायाः विकासः
- आधुनिकयुगे संस्कृतविदूषीणां शास्त्रीयज्ञानसंवर्धने योगदानम्
- महिलाधिकारसंरक्षणदृष्ट्या विदूषीणामवदानम्
- प्रौद्योगिकक्षेत्रे संस्कृतविदूषीणां भूमिका
- विदेशेषु संस्कृतसंस्कृतिप्रचारदृष्ट्यामहिलानां योगदानम्
- विकसितभारते नारीशक्तिवन्दनम्-अधिनियमः**(2023)** इत्यस्यप्रासंगिकता।

सम्मेलन में प्रतिभागिता करने के लिये अधोलिखित माध्यम से पंजीकरण अनिवार्य है।
शोधपत्र प्रस्तुत करने के इच्छुक विद्वान्, विदुषी, शोधच्छात्र, शोधच्छात्रायें एवं विद्यार्थीगण अपना शोधपत्र शीर्षक पंजीयन फार्म के साथ प्रेषित करें।

पंजीकरणअन्तिम दिनांक- 20/10/2024

पंजीकरण लिंक -

https://forms.gle/higGeGqKFBEPRww5A

शोधपत्र की भाषा-संस्कृत/हिन्दी

शोधपत्र - न्यूनतम सीमा 3000शब्द

टंकण-यूनिकोड

शोधपत्र प्रेषण - अन्तिम दिनांक-30/10/2024

ईमेल- sanskritbhartimahilakaryaaayam@gmail.com

सम्मेलन स्थान-सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली

विश्वविद्यालय, दिल्ली

सम्मेलन आपका है।आपकी उपस्थिति ही सम्मेलन का गौरव है। धन्यवाद।

संपर्क सूत्र-
प्रो. अजय झा (9810914458)
डॉ. अमृता कौर (8619534646)
डॉ. नीलमगौड (9818858608)
डॉ. इन्दु सोनी (9560702510)
डॉ. रीना कुमारी (9910971809)

प्रो. कमला भारद्वाज
(9810967067)
निदेशिका
अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन